बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा– 9 एवं 10

विषय– संस्कृत

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार

अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शिक्षकों के लिए निर्देश

कोरोना महामारी के कारण विद्यालयों में पढ़ाई की क्षति की भरपाई करने हेतु राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना द्वारा आहूत कार्यशाला में लिए गए निर्णयानुसार बच्चों के लिए 60 दिनों तक पूर्व कक्षा के विषय वस्तु को ही पढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

कक्षा 7 से 10 तक अध्ययनरत छात्रों हेतु उनके विगत वर्ग की पाठ्यपुस्तक से सामग्री संगृहीत की गई है। चूँकि संस्कृत की पढ़ाई वर्ग छह से प्रारंभ होती है, अतः वर्ग छह के लिए सामग्री नहीं बनाई गई है। इस प्रकार संस्कृत विषय में कक्षा 6, 7, 8 एवं 9 की पाठ्यपुस्तकों से क्रमशः वर्ग 7, 8, 9 एवं 10 के छात्रों के लिए पढ़ाये जाने वाले पुस्तकांशों पर संस्कृत समूह ने काम किया है।

समूह ने वर्णित एक चौथाई (60 दिन) समय के लिए लगभग एक तिहाई पाठों को पढ़ाने हेतु अनुशंसा की है। इस क्रम में पाठों के नाम, सीखने का प्रतिफल, अधिगम संकेतक तथा सुझावात्मक प्रक्रिया दी गई हैं। पाठ को पढ़ाने के क्रम में लगने वाले कार्य दिवसों की चर्चा भी की गई है।

पाठों का चयन इस प्रकार किया गया है, ताकि साहित्य के अधिकाधिक विधाओं, व्याकरण के अधिक प्रसंगों तथा अगले वर्ग हेतु उपयुक्त संदर्भों को समेटा जा सके। आशा है कि ये सुझावात्मक प्रक्रियाएँ तथा पाठ छात्रों के लिए हितकर होंगे।

निदेशक

(गिरिवर दयाल सिंह)

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्

बिहार, पटना

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (catch up course)

कक्षा 9 (कक्षा 8 के बच्चे जो सत्र 2021–2022 में कक्षा 9 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की सामग्री)

विषय– संस्कृत

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive Process	Duration in (Days)
–श्लोक आदि पद्यों का योग्य उच्चारण कर सकेंगे। –उपसर्गों का प्रयोग कर सकेंगे। –अयादि संधि को जान सकेंगे। –उत्साहपूर्वक गद्य एवं पद्यों का उच्चारण कर सकेंगे। –पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे। –वैदिक वाङ्मयी	प्रथमः पाठः मङ्गलम्	–मन्त्र का गायन करना। –संधि एवं संधि–विच्छेद करना। –उपसर्गों का प्रयोग करना। –मन्त्रों का स्मरण करना। –प्रश्नोत्तर बनाना। –वेदादि साहित्य को जानना।	–शिक्षक सस्वर पाठ करायेंगे। –कठिन शब्दों को खण्ड–खण्ड कर श्यामपट्ट पर लिखेंगे। –बच्चे भी बारी–बारी से मन्त्र–वाचन करायेंगे। –उपसर्ग की जानकारी देंगे। –प्र, परा, अप सम् .... आदि 22 उपसर्गों को बताएँगे। –संधि के भेदोपभेद पर चर्चा करेंगे। –अयादि संधि को समझाएँगे। –प्रश्नोत्तर बनाने हेतु बच्चों को मदद करेंगे। –वैदिक मंत्रों के प्रति बच्चों में समझ एवं संवेदना विकसित करेंगे। –वेदों के विषय मे बताएँगे।	12

विरासत को जान सकेंगे।				
–ध्यानपूर्वक संस्कृत का उच्चारण कर सकेंगे। –पाठगत शब्दों का योग्य उच्चारण कर सकेंगे। –पाठ में आये शब्दों के अर्थ दूसरी भाषा में बता सकेंगे। –कृदन्त प्रत्यय को समझ सकेंगे। –पढ़े हुए शब्दों का वाक्य प्रयोग एवं लेखन कर सकेंगे।	द्वितीयः पाठः सङ्घे–शक्तिः	–संस्कृत गद्य को पढ़ना। –संधि–विच्छेद / पदविच्छेद करना। –शब्दार्थ जानना। –कर्ता एवं क्रिया को पहचानना। –लिंग, वचन एवं विभक्ति को जानना।	–शिक्षक दो–तीन वाक्यों को पढ़ेंगे तथा उन्हीं वाक्यों को बच्चों से पढ़वायेंगे। –कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर बच्चों से उचित उच्चारण करवाएँगे। –शब्दों का संधि–विच्छेद या पद–विच्छेद करेंगे। जैसे– सम्पतिरर्जिता – सम्पत्तिः+अर्जिता, नाकुर्वन् – न+अकुर्वन्, त्वामेव – त्वाम्+ एव। –पाठ की कहानी को इस प्रकार प्रस्तुत करेंगे ताकि आगे की घटना को जानने हेतु बच्चों में ललक उत्पन्न हो। –बच्चे इस पाठ को लिखेंगे। शिक्षक इनकी अभ्यास–पुस्तिकाओं की बारीकी से जाँच करेंगे। –शब्दार्थों को बच्चों से बार–बार पढ़वायेंगे। –संधि–विच्छेद और पद–विच्छेद को बच्चे घर से लिखकर लायेंगे। –संधि पर वर्ग में चर्चा करायेंगे। –'प्रकृति–प्रत्यय– विभागः' में दिये गये धातु और प्रत्ययों को बच्चों को समझायेंगे। –कृदन्त प्रत्ययों को विशेषतः बताएँगे। –संस्कृत–संभाषण, श्लोकवाचन आदि से संबंधित सामग्री यू–ट्यूब पर भी उपलब्ध है। उन्हें सुनने / देखने हेतु बच्चों को प्रेरित करेंगे।	12

–उत्साहपूर्वक संस्कृत गद्य का उच्चारण कर सकेंगे। –पाठ में आए शब्दों के अर्थ दूसरी भाषा में बता सकेंगे। –लट् लकार को समझ सकेंगे। –क्रियापदों के लकार, पुरूष, तथा वचन बता सकेंगे। –विशेष्य और विशेषण पदों को जान सकेंगे। –विलोम पदों को बता सकेंगे।	षष्ठः पाठः रघुदासस्य लोकबुद्धिः	–कथा को सुनना। –संस्कृत गद्य को पढ़ना। –पाठ में आये कर्तृपद एवं क्रियापदों को जानना। –विभक्तियों को पहचानना। –छोटा परिवार : सुखी परिवार के महत्व को जानना। –प्रश्नोत्तर बनाना। –पाठ को सुलेख में लिखना। –योग्यता–विस्तार की सामग्री को समझकर पढ़ना।	–शिक्षक पाठ का आदर्श–वाचन करेंगे। –बच्चों से वाचन करवायेंगे। –कठिन शब्दों के उच्चारण में बच्चों की सहायता करेंगे। –तालव्य 'श' तथा दन्त्य 'स' के उच्चारण भेद को बताएँगे। –पाठ में आए शब्दों का अर्थ दूसरी भाषा में बताएँगे। –क्रियापदों में प्रयुक्त 'लट् लकार' के शब्दों पर विशेष प्रकाश डालेंगे। यथा– अस्ति स्तः सन्ति निवसति निवसतः निवसन्ति तिष्ठति तिष्ठतः तिष्ठन्ति वर्तते वर्तेते वर्तन्ते करोति कुरूतः कुर्वन्ति –'अभ्यासः' के अन्तर्गत दिये गये प्रश्नों में व्यावहारिक व्याकरण हेतु पर्याप्त सामग्री दी गयी है। इन प्रश्नों द्वारा व्याकरण के विविध पक्षों को बच्चों तक ले जा सकेंगे। –बच्चों ने वर्ग षष्ठ एवं सप्तम में एक से पचास तक की संख्याओं को संस्कृत में सीखा है। इन्हें आगे बढ़ाने हेतु 'अमृता भाग–3' के 'एकादशः पाठः' के योग्यता विस्तार में इक्यावन से पचहत्तर तक तथा 'द्वादशः पाठः' के योग्यता विस्तार में छिहत्तर से सौ तक की संख्याएँ संस्कृत में दी	12

			गयी हैं। इनका अभ्यास करायेंगे।	
–श्लोक आदि पद्यों का उच्चारण उत्साहपूर्वक कर सकेंगे। –गीत को यथायोग्य लयबद्धगायन के साथ पढ़ सकेंगे। –पाठ से संबंधित शब्द याद होंगे जिससे व्यावहारिक शब्दकोश की वृद्धि होगी। –नीति–श्लोक स्मरण करके सुना सकेंगे। –कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य को समझ सकेंगे। –श्लोकों का भावार्थ अपनी मातृभाषा में लिख सकेंगे।	अष्टमः पाठः नीतिश्लोकाः	–नीतिश्लोकों का गायन। –हाव–भाव के साथ बच्चों द्वारा प्रस्तुतीकरण। –श्लोकों का अन्वय करना। –पाठ में आये शब्दों का अर्थ दूसरी भाषा में बताना। –प्रश्न पूछना एवं पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देना। –वाच्य पर प्रकाश डालना। –समानार्थक पदों को चुनना। –वचन परिवर्तन करना।	–शिक्षक क्रमशः श्लोक का वाचन करेंगे तथा बच्चों से वाचन करवायेंगे। –बच्चे भी हाव–भाव के साथ गायन करायेंगे। –श्यामपट्ट पर श्लोकों का अन्वय लिखेंगे। –पदार्थ एवं वाक्यार्थ के बाद भावार्थ बतायेंगे। –कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य पर प्रकाश डालेंगे। यथा– केन व्यसनं न प्राप्तम्? व्याधिना के न पीडिताः? विद्यया सर्वं लभते। –पाठ में आये अभ्यास के प्रश्नों को हल करायेंगे। –'योग्यता–विस्तार' के अन्तर्गत दी गई सामग्री पर भी चर्चा करायेंगे। –व्यावहारिक–व्याकरण के लिए पुस्तक के परिशिष्ट में दी गई सामग्री से बच्चों का परिचय करायेंगे तथा उन्हें स्मरण करने हेतु प्रेरित करेंगे।	12
–नाटकादि से प्राप्त शिक्षा एवं उसके महत्त्व को समझ सकेंगे। –हास्य नाट्य आदि	दशमः पाठः गुरू –शिष्य संवादः	–पाठ का अभिनय करना। –शिक्षा का महत्त्व बताना। –किशोरावस्था की समस्या पर चर्चा करना। –संस्कृत–संभाषण कौशल	–बच्चों द्वारा इस पाठ का अभिनय करायेंगे। –बच्चों का समूहन करायेंगे। –प्रत्येक समूह द्वारा इसकी प्रस्तुति बारी–बारी से करायेंगे। –संवाद कौशल पर चर्चा करेंगे।	12

काव्य का अर्थ समझ सकेंगे। –गद्यांशों के उच्चारण में समर्थ हो सकेंगे। –समानान्तर अन्य कथानक कह सकेंगे। –सामाजिक गतिविधियों को समझकर उसके विषय में लिख सकेंगे। –पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे। –संस्कृत संभाषण कर सकेंगे।		विकसित करना। –प्रश्नोत्तर बनाना। –व्यावहारिक व्याकरण का ज्ञान।	–संस्कृत शब्द के उच्चारण पर ध्यान देंगे। –विद्या के महत्त्व पर प्रकाश डालेंगे। –विद्या के महत्त्व को बताने वाले विविध श्लोकों एवं कथानकों से परिचित करायेंगे। –किशोरावस्था के गुण–दोषों पर चर्चा करेंगे। –आचरणवान् बनने हेतु प्रेरित करेंगे। –शब्दार्थ, अभ्यास एवं योग्यता विस्तार आदि खण्डों पर कार्य करायेंगे। –पाठ्य–पुस्तक के परिशिष्ट में दी गई सामग्री को पढ़ने तथा स्मरण करने हेतु प्रेरित करेंगे। –संस्कृत श्लोक लेखन, श्लोकगायन, शब्दरूप, धातुरूप आदि विषय पर बच्चों के बीच प्रतियोगिता का आयोजन करेंगे। –विद्या के महत्त्व बताने वाले श्लोकों का संग्रह करायेंगे। यथा– (1) विद्या ददाति विनयं, विनयाद्याति पात्रताम्। पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मं ततः सुखम्।। (2)रूपयौवनसम्पन्ना विशालकुलसंभवाः। विद्याहीना न शोभन्ते निर्गन्धा इव किंशुकाः।।	

बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा– 10

विषय– संस्कृत

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (catch up course)

कक्षा 10 (कक्षा 9 के बच्चे जो सत्र 2021–2022 में कक्षा 10 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की सामग्री)

विषय– संस्कृत

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive Process	Duration in (Days)
–विद्यार्थी सरल संस्कृत भाषया कक्षोपयोगीनि वाक्यानि वक्तुं समर्थः अस्ति। –विद्यार्थी कक्षातः बहिः दैनन्दिनजीवनोपयोगीनि वाक्यानि वदति। –संस्कृतश्लोकान् उचितबलाघातपूर्वकम् छन्दोऽगुणम् उच्चारयति। –श्लोके प्रयुक्तानां संधियुक्तपदानां विच्छेदं करोति। –श्लोकान्वयं कर्तुं समर्थः अस्ति। –श्लोकाधारितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन वदति लिखति च	प्रथमः पाठः ईशस्तुतिः	–पद्यानां गायनं करणीयम्। –पद्यं पठित्वा कक्षायां चर्चा करणीया। –प्रश्नाः प्रष्टव्याः। –पृष्ठानां प्रश्नानां उत्तराणि दातव्यानि। –पर्याय–विपर्याय, विशेष्य–विशेषण पदानां वाक्ये प्रयोगः करणीयः।	–शिक्षणक्रमे शिक्षकः सरलसंस्कृतवाक्यानां प्रयोगं कुर्यात्। –मध्ये हिंदीभाषायाः क्षेत्रियभाषायाः अपि प्रयोगः करणीयः। –छात्राणाम् अवबोधनं श्रवणकौशलं च परीक्षितुं मध्ये–मध्ये प्रश्नान् पृच्छेत्। –शिक्षकः प्रारंभे छात्रान् दैनन्दिनजीवनोपयोगिनः प्रश्नान् पृच्छेत्। यथा– अद्य त्वं भ्रमणाय कुत्र गच्छसि? किम् अहं कक्षायां आगन्तुं शक्नोमि? –इण्टरनेटमध्ये उपलब्धानि	द्वादश दिनानि

			संस्कृतगीतानां श्रवणं भवेत्। संधिकार्यम् यथा– पो+अनः = पवनः इति+उवाच = इत्युवाच –अव्ययपदानां वाक्ये प्रयोगः करणीयः।	
–विद्यार्थी सरलसंस्कृतभाषया कक्षोपयोगीनि वाक्यानि वक्तुं समर्थः अस्ति। –अपठित गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानाम् उत्तरप्रदाने सक्षमः अस्ति। –पाठ्यपुस्तकगतान् गद्यपाठान् अवबोध्य तेषां सारांशं वक्तुं लेखितुं च समर्थः अस्ति। –तदाधारितप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन वदति लिखति च।	चतुर्थः पाठः चत्वारो वेदाः	–पाठ्यसामग्रीपाठनम् –तदर्थकथनम् –वेदानां परिचयप्रदानम् –शब्दानामर्थकथनम् –वेदाङ्गानां परिचय–प्रदानम् –प्रश्नानामुत्तरप्रदानम् –प्रासङ्गिकव्याकरणपाठनम्	–शिक्षकः पाठं पठिष्यति पाठिष्यति च। –पठितपाठांशानाम् शब्दार्थकथनं भावार्थकथनं च भविष्यतः –वेदाः चत्वारः सन्तिः। षड् वेदाङ्गानि च वर्तन्ते। तेषां सर्वेषां परिचयः दातव्यः। –वेदादिं वाङ्मयमधिकृत्य छात्राणां मध्ये विस्तृतचर्चा करणीया। –प्रश्नानाम् उत्तराणि देयानि।	12
–विद्यार्थी सरलसंस्कृतभाषया कक्षोपयोगीनि वाक्यानि वक्तुं समर्थः अस्ति। –विद्यार्थी कक्षातः बहिः दैनन्दिनजीवनोपयोगीनि वाक्यानि वदति। –अनुच्छेद–लेखनम्, संवाद–लेखनं चित्राधारितवर्णनं च करोति। –स्वर–व्यंजन संयोगविन्यासं च करोति। –कारक विभक्ति– उपपदविभक्ती प्रयुज्य शुद्ध वाक्यानि रचयति। –उपसर्गयुक्तपदानि वाक्येषु व्यवहरन्ति। –विभक्ति–वचन–काल लिंगानां बोधपूर्वकं प्रयोगं कुर्वन्ति।	पंचमः पाठः संस्कृतस्य महिमा (वार्तालापः)	–संस्कृतभाषाया महत्वम् अवबोधनीयम् –शिक्षणक्रमे सरलसंस्कृत वाक्यानां प्रयोगं कुर्यात्। –संस्कृत विषयम् अवलम्ब्य प्रतिछात्रं एकैकं वाक्यं रचयितुं कथयेत्। –पाठस्य प्रश्नानाम् उत्तरम् दातव्यम्। –संस्कृतभाषायाम् अनुवादः कर्तव्यः। –शास्त्राणां महत्वं ज्ञातव्यम्।	–संस्कृत साहित्ये समुपलब्ध–नैतिक–सामाजिक–मूल्यान्याधृत्य स्वकीयान् विचारान् प्रकटयितुं निर्दिशेत्। –क्लिष्टानां पदानाम् अर्थं बोधयेत्। संधियुक्तपदानां विच्छेदं कुर्यात् कारयेत् च। –संस्कृतमयवातावरणनिर्माणं कुर्यात्। छात्राणामधिकाधिकी सहभागिता भवेदिति सुनिश्चितं कुर्यात्। –शिक्षकः प्रारम्भे दैनन्दिन–जीवनोपयोगिनः प्रश्नान्	द्वादश दिनानि

		–क्लिष्टपदानां सन्धिविच्छेदः कर्तव्यः।	पृच्छेत्। –औपचारिक – अनौपचारिक पत्राणां प्रारूपं प्रदाय विषयगतचर्चां च विधाय छात्रैः पूर्णं पत्रं लेखयेत्। –छात्रैः तेषां पत्राणां कक्षायां प्रस्तुतिं कारयेत्। –कारक–विभक्ति–उपपद–विभक्ती प्रयुज्य शुद्ध–वाक्यानि रचयेत्। –पाठनसमये शिक्षकः सस्वरवाचनं कुर्यात्। अथवा ई–सामग्रीणाम् उपयोगम् कुर्यात्। –अव्ययानां वाक्ये प्रयोगं कुर्यात्। यथा– अपि – त्वम् अपि गच्छसि। यदि वाक्यस्य आरम्भे 'अपि' अव्ययस्य प्रयोगः भवेत् तर्हि अस्य अर्थः किम् भवति? अपि त्वं पठसि?	
–सरल संस्कृत भाषया कक्षोपयोगीनि वाक्यानि वक्तुं समर्थः अस्ति। –पाठ्यपुस्तकगतान् गद्यपाठान् अवबुध्य तेषां सारांशं वक्तुं लेखितुं च समर्थः अस्ति। –तदाधारितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन वदति लिखति च। –अपठितगद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानाम् उत्तरप्रदाने सक्षमः अस्ति। –अनुच्छेद–लेखनं, संवादलेखनं, चित्राधारितवर्णनं च करोति।	सप्तमः पाठः ज्ञानं भारः क्रियां विना	–गद्यानां शुद्धोच्चारणं छात्रैः कर्तव्यम्। –गद्यं पठित्वा कक्षायां चर्चा कर्तव्या। –तदाधारितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि। –अव्ययानां वाक्ये प्रयोगः करणीयः। –पाठे आगतानाम् संधिपदानां विच्छेदः करणीयः।	–पाठ्यपुस्तकेतर–साहित्येभ्यः स्तरानुकूलं कथाः निबंधान् च संगृह्य सप्ताहे एकवारं पठितुं छात्रान् निर्दिशेत्। –छात्रैः पाठस्य सारांशः संस्कृतेन स्वभाषया वा प्रस्तोतव्यः। –क्लिष्टानां पदानाम् अर्थं बोधयेत्। सन्धियुक्तपदानां विच्छेदं कुर्यात् कारयेत् च। –छात्राणाम् अवबोधं परीक्षितुं	द्वादश दिनानि

		–संस्कृतभाषायां सरल वाक्यानां प्रयोगं कुर्यात्। –कर्तृपदं, क्रियापदं वाक्ये अवगन्तुं शक्नुयात्।	मध्ये–मध्ये प्रश्नाः अपि प्रष्टव्याः। –संस्कृतमयवातावरणे कक्षायां संवादवाचनस्य अनुच्छेदलेखनस्य च अभ्यासं कारयेत्। यथा– कोरोना प्रतिकारः, पर्यावरणसंरक्षणम्, स्वच्छभारतम्। –पाठनप्रसंगे केचन एतादृशाः अपि प्रश्नाः प्रष्टुं शक्यन्ते येन छात्राः चिन्तनार्थम् अवसरं लभेरन्। –संधिं, संधिविच्छेदं वा कुर्यात् एकः+तु – एकस्तु अर्थ+उपार्जना – अर्थोपार्जना बुद्धिर्न – बुद्धिः + न	
पाठ्य–पुस्तकगतान् संस्कृतश्लोकान् उचितबलाघात्पूर्वकम् छन्दोऽनुगुणम् उच्चारयति। –श्लोके प्रयुक्तानां सन्धियुक्तपदानां विच्छेदं करोति। –श्लोकान्वयं कर्तुं समर्थः भवति। –श्लोकानां भावार्थं प्रकटयति। –श्लोकाधारितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखति वदति च।	अष्टमः पाठः नीतिपद्यानि (नीतिशतकम्)	–श्लोकानां सस्वरं गायनम्। –श्लोकानामर्थावबोधनम्। –श्लोकानां भावार्थ–कथनम्। –पाठस्य प्रश्नानाम् उत्तरदानम्। –समानार्थकं श्लोकान्तरकथनम्। –सस्वरं श्लोक–गायन–प्रतियोगिताया आयोजनम्।	शिक्षकः श्लोकानां सस्वरं सुस्पष्टम् च उच्चारणं करोति। –छात्राः तान् श्लोकान् गायन्ति। –क्रमशः श्लोकानां गायनं तदर्थकथनं च क्रियते। –तेषां कठिनपदानां समस्तपदानां च उच्चारणं शिक्षयति। –तेषां पद्यानां क्रमशः भावार्थकथनम्। –छात्रैः शब्दार्थानां स्मरणम्। –'व्याकरणम्' इत्यंशस्यावबोधनम्। –'अभ्यासः' इत्यन्तर्गतानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लेखितव्यानि। –'योग्यता–विस्तारः' इति खण्डान्तर्गतं च वस्तुजातं पठितव्यम् स्मर्तव्यं च।	द्वादश दिनानि

संस्कृत

लेखन

नाम	विद्यालय/संस्थान का नाम
डा0 सीताराम झा	उ0 म0 विद्यालय विष्णुपुर, चौगमा, बेनीपुर
श्री ब्रह्मेन्द्र नारायण मिश्र	उ0 म0 विद्यालय, शाहपुर, औराई
श्री लक्ष्मी नारायण सिंह	प्रा0 वि0 नया पानापुर, चिड़ैयाटोक पूर्वी टोला, दानापुर, पटना
श्री चंद्र किशोर ठाकुर	के0 आर0 एम0 उच्च माध्यमिक विद्यालय, नेतौल, पटना

अकादमिक सहयोग–राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार के संकाय सदस्य

- डा0 किरण शरण, संयुक्त निदेशक (डायट)–सह–विभाग प्रभारी भाषा एवं सामाजिक विज्ञान विभाग
- डा0 रश्मि प्रभा, विभाग प्रभारी, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डा0 रीता राय, विभाग प्रभारी, अध्यापक शिक्षा विभाग
- डा0 वीर कुमारी कुजूर, विभाग प्रभारी, शिक्षण शास्त्र, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन विभाग
- श्री राम विनय पासवान, विभाग प्रभारी, दूरस्थ शिक्षा विभाग
- डा0 स्नेहाशीष दास, विभाग प्रभारी, विद्यालयी शिक्षा विभाग
- डा0 राधे रमण प्रसाद, विभाग प्रभारी, शारीरिक, कला एवं क्राफ्ट विभाग
- डा0 राजेन्द्र प्रसाद मंडल, विभाग प्रभारी, शोध, योजना एवं नीति विभाग
- श्री तेजनारायण प्रसाद, व्याख्याता, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डा0 अर्चना, प्रभारी, शिक्षा मनोविज्ञान विभाग
- श्रीमती विभा रानी, समन्वयक जनसंख्या शिक्षा कोषांग
- श्रीमती आभा रानी, सम्प्रति व्याख्याता, एस0 सी0 ई0 आर0 टी0., पटना